an>

Title: Need to send a central team of experts to Bihar to study and report on the economic and geographical condition of villages under Diara areas and take suitable action for the development of the region.

श्री राजेश रंजन (मधेपुरा) ः मैं बिहार के दियारा क्षेत्र की समस्या के बारे में सरकार का ध्यान आकृÂट करना चाहता हूँ।

राज्य के कुल 22 जिलों एवं 75 विधान सभा क्षेत्रों में फैली गंगा, कोसी और गंडक का बेसिन दियारा के नाम से जाना जाता है। यह बिहार की कुल भूमि का 12.5 प्रतिशत है। यह क्षेत्र आज भी वैसा ही है जैसा सौ साल पहले हुआ करता था। आज़ादी के 67-68 सा बीतने के बाद भी दियारा के वासी आज भी गुलाम की तरह जी रहे हैं। इनके पूर्वज लालटेन की रोशनी में रात का खाना खाया करते थे और नदी पार करके पढ़ने जाया करते थे। (जैसे देश के प्रथम राÂट्रपति स्व. राजेन्द्र प्रसाद एवं लोकगाथा के शेक्सपीयर कहे जानेवाले स्व. भिखारी ठाकुर)। आज भी पूर्व की भांति दियारा के लोग लालटेन की रोशनी में खाना खाते हैं एवं नदी पार करके पढ़ने जाते हैं। दानापुर दियारा बिहार की राजधानी पटना से महज दो से तीन किलोमीटर की दूरी पर है लेकिन वहां के लोगों को सड़क, पानी, बिजली, स्वास्थ्य एवं शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएंÃ¬ उपलब्ध नहीं हैं। आज के आधुनिक युग में जहां आधुनिक भारत की कल्पना की जा रही है, वैसी परिस्थिति में भारत के उस भाग जहां अभी तक मूलभूत सुविधा भी आम जनता को नहीं मिल पा रही है, में कैसे विकास की कल्पना की जा सकती है।

अतः मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि बिहार राज्य के बक्सर से दानापुर, पटना से भागलपुर, कोसी एवं गंडकर नदी के दियारा क्षेत्र के विकास हेतु विशेÂाज्ञों की टीम भेजकर आर्थिक एवं भौगोलिक स्थिति का अध्ययन कर रिपोर्ट के आधार पर योजनावार तरीके से कार्य किया जाए ताकि दियारा क्षेत्र का विकास हो तथा दियारा के वासी भी विकास के पथ पर अग्रसर हो सकें।